Need to provide adequate funds for conservation and development of monuments of historical and cultural importance in Uttar Pradesh ? Laid

डॉ. राजकुमार सांगवान (बागपत) : हमारा राष्ट्र प्राचीन स्थलों, स्मारकों और परंपराओं का खजाना है । भारतीय पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) ने कई महत्वपूर्ण स्थलों की पहचान की है जिन पर तत्काल ध्यान देने और विकास की आवश्यकता है । उत्तर प्रदेश में सिनौली, बरनावा में लाक्षागृह और बागपत में पुरमहादेव मंदिर जैसे ये स्थल अपार ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं ।इसके साथ महाभारत का साक्षी रही बागपत की इस धरा पर ही द्वापर युग की यादों को समेटे महर्षि वाल्मीकि मंदिर बालैनी में ही स्थित है । मान्यता है कि इस मंदिर में लव-कुश की जन्मस्थली है तो सीता मैया भी यहां समाई थी । भगवान राम के अश्वमेघ यज्ञ के घोड़े की लगाम भी यहीं थामी गई थी । वे न केवल पर्यटन विकास की क्षमता प्रदान करते हैं बल्कि हमारे अतीत से महत्वपूर्ण संपर्क भी रखते हैं । मैं सरकार से इन स्थलों के विकास और संरक्षण के लिए पर्याप्त धन और संसाधन आवंटित करने का आग्रह करता हूं । संग्रहालय, आभासी वास्तविकता अनुभव, विरासत पार्क और जीर्णोद्धार सहित प्रस्तावित विकास न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेंगे बल्कि हमारे अपने लोगों के बीच हमारे इतिहास के लिए गहरी सराहना भी बढ़ाएंगे ।